

भारत का राजपत्र  
The Gazette of India  
विशेष  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 226] नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 26, 1982/श्रावण 4, 1904

No. 226] NEW DELHI, MONDAY, JULY 26, 1982/SRAVANA 4, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

विशेष संचालन  
(राजस्व विभाग)  
(अधिस्थान कर प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1982

सं. 186/82-सीमा-शुल्क

सा. का. नि. सं. 509(अ) —केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम,  
1982 (1982 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (I) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग  
करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर किंक लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है,

भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 117/78-  
सीमा-शुल्क [सा. का नि. 318 (अ)] तारीख 9 जून, 1978 में निम्नलिखित  
और संशोधन करती है, वर्धात् :—

उत्तर विविधता की प्रथम अनुसूची में क्रम संख्या 21 के समन, “स्तम्भ  
2 में, “सिसायक”, शब्द के पश्चात् “सोडाइयम लार्यल सल्फेट ;  
सोडाइयम लार्यल ईथर सल्फेट”, शब्द अन्त स्थापित किए  
गए।

[सं. 602/2/82-डॉ. बी. के.]

जे. एस. आर. लाठिंग, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(Indirect Taxes Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th July, 1982

No. 186/82-CUSTOMS

**G.S.R. 509(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of  
section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government,  
being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes  
the following further amendment in the notification of the Government of  
India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 117/78-Customs  
[GSR-318(E)], dated the 9th June, 1978, namely :—

In the First Schedule to the said notification, against Serial No. 21 in  
column 2, after the words “containing solvents”, the words “sodium  
lauryl sulphate; sodium lauryl ether sulphate” shall be substituted.

{F. No. 602/2/82-DBK}  
J. S. R. KHATHING, Under Secy,